**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 2214**

**25 अप्रैल, 2012 को उत्तर के लिए**

**अप्रचलित रक्षा उपस्कर**

**2214. श्री के.एन.बालगोपाल :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का ध्यान राष्ट्रीय समाचार चैनलों और दैनिक समाचार पत्रों में आए इस समाचार की ओर दिलाया गया है कि एयर डिफेन्स गन्स में से अधिकांश द्वितीय विश्व युद्ध के समय की हैं और उनमें से 97 प्रतिशत अप्रचलित हैं तथा युद्ध की स्थिति में हमारा गोला बारूद केवल दस दिनों तक चल सकता है;

(ख) यदि हां, तो इतने वर्षों में इस तथ्य की ओर ध्यान कैसे नहीं दिया गया; और

(ग) सरकार उपस्करों का तुरंत उन्नयन करने और गोला बारूद की खरीद के लिए क्या-क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्री (श्री ए.के.अन्टनी)**

(क) और (ख): सेना परम्परागत उपकरण, विकसित प्रौद्योगिकी वाले उपकरण तथा अत्याधुनिक उपकरण के मिश्रण वाले सिद्धांत का अनुसरण करती है। वर्तमान में हवाई सुरक्षा के पास जो तोपे हैं वे न तो द्वितीय विश्व युद्ध के समय की हैं और न ही गोलाबारूद का स्तर मीडिया में आ रही रिपोर्ट की तरह निम्न स्तर का है । तथापि, गोलाबारूद की कुछेक श्रेणियों में कुछ कमियां विद्यमान हैं । इसके अतिरिक्त, और अधिक ब्यौरे प्रकट करना राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में नहीं होगा ।

(ग) सेना का आधुनिकीकरण सतत आधार पर किया जाता है जिसमें पुरानी प्रौद्योगिकी के उपकरणों का प्रतिस्थापन/उन्नयन शामिल है । फिलहाल मौजूदा हवाई सुरक्षा तोपों के उन्नयन तथा गोलाबारूद की अधिप्राप्ति संबंधी कई प्रस्ताव कार्यान्वयन/अधिप्राप्ति के विभिन्न चरणों में हैं ।

**\*\*\*\*\***